बुनियादी उद्योगों में तीसरे माह भी तेजी, अगस्त में 11.6%

सरकार के आंकड़े...आठ क्षेत्रों में से क्रूड और उर्वरक का ही उत्पादन घटा

नई दिल्ली। इस्पात, बिजली सहित आठ बुनियादी उद्योगों की उत्पादन दर में लगातार तीसरे महीने तेजी दिखी। अगस्त में बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 11.6 फीसदी रही। सिर्फ क्रूड और उर्वरक क्षेत्र के उत्पादन में ही गिरावट रही है।

वाणिज्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि कोयला, कच्चा तेल, इस्पात, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक और बिजली क्षेत्र का कुल औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) 40.27 फीसदी हिस्सा होता है। इन उद्योगों में लगातार हो रही वृद्धि से साफ पता चलता है कि अर्थव्यवस्था अब तेजी की राह पर लौट आई है। पिछले साल अगस्त में बुनियादी उद्योगों की उत्पादन दर शून्य से 6.9 फीसदी नीचे रही थी। चालू वित्तवर्ष में अप्रैल-अगस्त की औसत वृद्धि दर 21.94 फीसदी रही है। रियल एस्टेट क्षेत्र में सुधार की वजह से सीमेंट की उत्पादन दर सबसे ज्यादा 36.3 फीसदी रही। इससे पहले अप्रैल में बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 62.6 फीसदी, मई में 16.8 फीसदी, जून में 9.3 फीसदी और जुलाई में 9.4 फीसदी रही थी। अगस्त में सिर्फ कच्चे तेल और उर्वरक के उत्पादन में ही गिरावट आई है। एजेंसी

6.9% गिरावट थी पिछले साल बुनियादी उद्योग क्षेत्र में

किस क्षेत्र में कितनी तेजी	
कोयला	20.6%
रिफाइनरी उत्पाद	9.1%
बिजली	15.3%
इस्पात	5.1%
सीमेंट	36.3%
प्राकृतिक गैस	20.6%
कच्चा तेल	(-)2.3%
उर्वरक	(-) 3.1

पांच महीने में ही राजकोषीय घाटा 4.7 लाख करोड़

वित्तवर्ष 2021-22 के शुरुआती पांच महीने (अप्रैल-अगस्त) में ही सरकार का राजकोषीय घाटा 4.7 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, जो बजट लक्ष्य का 31% है। हालांकि, बेहतर टैक्स वसूली से बीते साल के मुकाबले वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है। 2020-21 में शुरुआती पांच महीने में राजकोषीय घाटा बजट लक्ष्य का 109% रहा था। राजकोषीय घाटा सरकार की आमदनी व खर्च का अंतर होता है। फरवरी में पेश बजट में 15.06 लाख करोड़ के राजकोषीय घाटे का अनुमान था।

औद्योगिक कामगारों की खुदरा महंगाई घटकर 4.79 फीसदी

श्रम मंत्रालय ने बताया कि अगस्त में औद्योगिक कामगारों के लिए खुदरा महंगाई घटकर 4.79 फीसदी रह गई, जो जुलाई में 5.27 फीसदी थी। खाद्य उत्पादों की कीमतें घटने से यह कमी आई है। इस दौरान खाद्य महंगाई 4.83 फीसदी रही, जो एक महीने पहले 4.91 फीसदी थी।